लक्ष्य | इन्वेस्ट यूपी ने पांच निजी औद्योगिक समूहों से संपर्क किया, सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल आधारित उद्योग लगेंगे

भूसी, भूसा और बगास से बनेगा विमानों का ईंधन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रदेश में धान की भूसी, गेहूं का भूसा तथा गन्ने की खोई (बगास) से सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) बनेगा। इसके अलावा प्रयुक्त खाद्य तेल भी एसएफ के लिए कच्चे माल की तरह इस्तेमाल होगा। नई नीति आने के बाद प्रसंस्करण इकाइयां लगाने के प्रयास शुरू हो गई हैं। पांच औद्योगिक समूहों से इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों ने संपर्क साधा है।

कार्बन उत्सर्जन को लेकर पूरी दुनिया चिंतित है। केंद्र सरकार ने एवीएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) में वर्ष 2027 तक एक प्रतिशत तथा 2028 तक दो प्रतिशत एसएएफ मिलावट का लक्ष्य तय किया है। इसी के तहत राज्य सरकार ने भी प्रयास तेज कर दिए हैं। इसका मकसद विमान क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए एसएएफ को बढ़ावा देना है। साथ ही भूसा, भूसी तथा बगास को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करना है। इससे किसानों को भी सीधा फायदा होगा। प्रयुक्त खाद्य तेल तथा अपशिष्ट वसा का भी इस्तेमाल बायोमास ईंधन के रूप में हो सकेगा। इसके लिए राज्य सरकार बायो रिफाइनरियां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

सतत विमानन ईंधन के लिए इकाइयां लगेंगी : एसएएफ उत्पादन के लिए नई इकाइयां लगेंगी, ताकि भविष्य का ईंधन उपलब्ध कराया जा सके। मौजूदा पेट्रोलियम ईंधन अधिक कार्बन उत्सर्जन करता है। इससे पर्यावरण प्रदूषण को नुकसान और पेट्रोलियम पदार्थों पर निर्भरता बढ़ रही है। एसएएफ उत्पादन बढ़ा कर पेट्रोलियम आधारित ईटीएफ पर निर्भरता कम होगी।



एसएएफ इकाइयां एयरपोर्ट के पास स्थापित होंगी

राज्य सरकार का प्रयास है कि एसएएफ इकाइयां हवाई अड्डों के आसपास स्थापित की जाएं ताकि तेल परिवहन का खर्च बचाया जा सके। आसानी से पाइप लाइन या फिर टैंकर से एयरपोर्टों को एसएएफ उपलब्ध हो। इसके लिए राज्य सरकार एसएएफ प्रोत्साहन नीति के तहत सीड कैपिटेल, विकास शुल्क, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी आदि में कई तरह की रियायतें दे रही हैं। पूर्वांचल व बुंदेलखंड में लगने वाली इकाइयों को कुल पूंजी निवेश का 35% अनुदान की सुविधा दी गई है।

औद्योगिक समूहों से किया जा रहा संपर्क

इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद ने बताया कि एसएएफ उत्पादन के लिए कई औद्योगिक समूहों तथा रिफाइनरियों से संपर्क किया गया है। उन्हें यूपी में अपने प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पांच निवेशकों ने भविष्य के इस ईंधन उत्पादन में दिलचस्पी दिखाई है।